21वीं पशुधन जनगणना

[स्रोत: पी.आई.बी.]

हाल ही में **पशुपालन एवं डेयरी विभाग (Department of Animal Husbandry & Dairying- DAHD)** ने सितंबर से दिसंबर 2024 तक होने वाली आगामी 21वीं **पशुधन जनगणना** के लिये एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- इसका उद्देश्य जनगणना के दौरान कुशल डेटा संग्रह के लिये राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के अधिकारियों को **मोबाइल ऐप और सॉफ्टवेयर सहित आवश्यक उपकरणों** से लैस करना था।
- अधिकारियों को **डेटा संकलन रणनीतियों पर प्रशिक्षित किया** गया तथा **पशुधन की विभिन्न पंजीकृत नस्लों से परिचित** कराया गया।
- वर्ष 1919 से **हर 5 साल में पूरे देश में पशुधन जनगणना** आयोजित की जाती रही है।
    - **वर्ष 2019 में आयोजित 20वीं जनगणना** के अनुसार, **भारत में कुल पशुधन आबादी 535.78** मिलियन है।
    - **कुल गोजातीय जनसंख्या (मवेशी, भैंस, मिथुन और याक)** 302.79 मिलियन थी।
- पशुधन के विकास हेतु वर्ष 2014-15 में शुरू की गई **राष्ट्रीय पशुधन मिशन** (National Livestock Mission- NLM) योजना में 3 उप-मिशन शामिल हैं - **पशुधन और मुर्गी पालन के लिये नस्ल विकास, चारा तथा आहार विकास एवं नवाचार व विस्तार।**

और पढ़ें: **भारत का पशुधन क्षेत्र, 20वीं पशुधन जनगणना, विशेष पशुधन क्षेत्र पैकेज**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/21st-livestock-census-1